तीन संगवारी

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

एक ठन आमा के रुख राहय।
ओमा एक ठन चिटरा राहय।

उही रुख म एक ठन बेंदरा घलो अइस। चिटरा अउ बेंदरा संघर गे, उंखर मितानी हो गे।

एक दिन एक ठन चिरई उहां अइस।

चिरई ह बेंदरा अउ चिटरा ल एक ठन फूल दइस।

बेंदरा ह पक्का आमा ल टोरिस।
अउ वो आमा ल चिरई ल दइस।

चिटरा ह घलो एक ठन आमा चिरई ल दइस।

तीनों झन संघर के आमा ल खइन।

तीनों झन संगवारी बन गे।
अउ तीनों झन संघर के मंजा
म खेलन लागिन।

तीन संगवारी

एक ठन आमा के रुख राहय। ओमा एक ठन चिटरा राहय। उही रुख म एक ठन बेंदरा घलो अइस। चिटरा अउ बेंदरा संघर गे, उंखर मितानी हो गे। एक दिन एक ठन चिरई उहां अइस। चिरई ह बेंदरा अउ चिटरा ल एक ठन फूल दइस। बेंदरा ह पक्का आमा ल टोरिस। अउ वो आमा ल चिरई ल दइस। चिटरा ह घलो एक ठन आमा चिरई ल दइस। तीनों झन संघर के आमा ल खइन। तीनों झन संगवारी बन गे। अउ तीनों झन संघर के मंजा म खेलन लागिन।

तीन दोस्त

एक आम का पेड़ था। उस पेड़ पर एक गिलहरी रहती थी। उस पेड़ पर एक बंदर भी आया। गिलहरी और बंदर की दोस्ती हो गई। एक दिन एक चिड़िया वहाँ आई। चिड़िया ने बंदर और गिलहरी को एक फूल दिया। बंदर ने पका आम तोड़ा। उसने आम चिड़िया को दिया। गिलहरी ने भी एक आम चिड़िया को दिया। तीनों ने मिलकर आम खाए। तीनों दोस्त बन गए। तीनों मज़े से खेलने लगे।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार

सब पढ़ें सब बढ़ें